एक प्राचीन वृक्ष के मरने का अर्थ

हाल ही में एक समाचार आया है कि इंग्लैंड के शेरवुड वन में रॉबिनहुड को पनाह देने वाला ओक वृक्ष मर गया है। इस समाचार में ऐसा कुछ भी नहीं है, जो व्यक्तिगत तौर पर हमें चोट पहुंचाए या दुख दे। लेकिन फिर भी ऐसे समाचारों को समाज में फैलाया जाना चाहिए।

जब एक पुराना पेड़ मरता है, तो वह अपने साथ बहुत कुछ ले जाता है। उसके तने का हर घेरा इतिहास है। यह आग, बाढ़, बिजली, लड़े गए अनेक युद्ध, राज्यों के बनने और गिरने का इतिहास समेटे हुए होते है। ये वृक्ष एक टिकाऊ और भरोसेमंद ठिकाना देते हैं। इसकी खोखली जगहों में छोटे और बड़े अनेक जीवन रहते हैं। यदि इस दृष्टि से देखें, तो प्राचीन वृक्षों का महत्व असीमित जान पड़ता है -

- ये जैव विविधता के आश्रय स्थल हैं।
- कार्बन अवशोषण में अत्यंत प्रभावी होते हैं।
- स्थानीय जलवायु और जलवायु चक्र को संतुलित रखते हैं।
- सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत के प्रतीक होते हैं।

पुराने वृक्ष केवल वृक्ष नहीं, बल्कि एक सभ्यता की जीती हुई लाइब्रेरी होते हैं। अत: इनके लिए शोक मनाने का संबंध प्रकृति के प्रति हमारी संवेदनशीलता, पर्यावरणीय नैतिकता और मानव अस्तित्व की नश्वरता पर गहन चिंतन से है। यह संदेश देता है कि यदि हमें भविष्य की पीढ़ियों के लिए पृथ्वी को सुरक्षित रखना है, तो प्राचीन वृक्षों और प्राकृतिक विरासत का संरक्षण केवल पर्यावरणीय आवश्यकता नहीं, बल्कि सभ्यता का दायित्व भी है।

('द टाइम्स ऑफ इंडिया' में प्रकाशित संपादकीय पर आधारित- 20/06/2026)

AFEIAS